

विषय-सूची

| विषय | लेखक | पृष्ठ |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|-------|
| १ जैनविद्वी अर्थात् श्रवणबेलगोल—[श्रीयुत प्रो० हीरालाल जैन, एम. ए., एलएल. बी.] | | २०१ |
| २ श्रवणबेलगोल एवं यहां की श्रीगोम्मट-मूर्ति—[श्रीयुत पं० के० भुजबली शास्त्री] | | २०५ |
| ३ श्रवणबेलगोल (पद्य)—[श्रीयुत कल्याणकुमार जैन 'शशि'] | ... | २१३ |
| ४ पाणिनि, पतञ्जलि और पूज्यपाद—[श्रीयुत पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री] | ... | २१६ |
| ५ वीरमार्त्तण्ड चावुण्डराय—[श्रीयुत पं० के० भुजबली शास्त्री, विद्याभूषण] | ... | २२९ |
| ६ श्रवणबेलगोल के शिलालेख—[श्रीयुत बा० कामता प्रसाद जैन, एम. आर. ए. एस.] | | २३३ |
| ७ गोम्मट स्वामी की सम्पत्ति का गिरवी रखवा जाना—[श्रीयुत पं० जुगल किशोर मुख्तार] | | २४२ |
| ८ महाबाहुर्वाहुवली (पद्य)—[श्रीयुत पं० के० भुजबली शास्त्री, विद्याभूषण] | ... | २४५ |
| ९ दक्षिण भारत के जैन वीर—[श्रीयुत त्रिवेणी प्रसाद, बी. ए.] | .. | २४९ |
| १० धर्मशार्माभ्युदय की दो प्राचीन प्रतियों—[श्रीयुत पं० नाथूराम प्रेमी] | ... | २५८ |
| ११ गोम्मट-मूर्ति की प्रतिष्ठाकालीन कुण्डली का फल—, श्रीयुत पं० नेमिचन्द्र जैन, न्याय-ज्योतिष-तीर्थ] | .. | २६१ |
| १२ सार 'जैन ऐन्टीक्वेरी'—(भाग ५, न० ३)—[श्रीयुत बा० कामता प्रसाद जैन] | | २६७ |
| १३ साहित्य-समालोचना—(१) अकलंक-ग्रन्थमाला की तीन पुस्तकें—[श्रीयुत पं० के० भुजबली शास्त्री] | | २६८ |
| (२) कथा-कुसुमावली—[श्रीयुत पं० हरनाथ द्विवेदी, काव्य- पुराण-तीर्थ] | | २६८ |